University of Mumbai

No. UG/31 of 2019-20

CIRCULAR:-

Attention of the Principals of the Affiliated Colleges, the Head University Departments and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty is invited to this office Circular No. UG/71 of 2018-19, dated 6th July, 2018 relating to the revised syllabus as per (CBCS) for the M.A. in Hindi (Sem. I to IV).

They are hereby informed that the recommendations made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 9th April, 2019 have been accepted by the Academic Council at its meeting held on 15th April, 2019 **vide** item No. 4.26 and that in accordance therewith, the revised syllabus as per the (CBCS) for the M.A. (Sem. I & II) in Hindi has been brought into force with effect from the academic year 2019-20, accordingly. (The same is available on the University's website www.mu.ac.in).

(Dr. Ajay Deshmukh)
REGISTRAR

MUMBAI – 400 032
3rd June, 2019

To

The Principals of the affiliated Colleges and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty. (Circular No. UG/334 of 2017-18 dated 9th January, 2018.)

A.C./4.26/15/04/2019

****

No. UG/31 -A of 2019 MUMBAI-400 032 3rd June, 2019

Copy forwarded with Compliments for information to:-

1) The I/c Dean, Faculty of Humanities,
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi,
3) The Director, Board of Examinations and Evaluation,
4) The Professor-cum-Director, Institute of Distance and Open Learning (IDOL),
5) The Director, Board of Students Development,
6) The Co-ordinator, University Computerization Centre,

(Dr. Ajay Deshmukh)
REGISTRAR

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and Pattern of Question Paper in the Subject of Hindi At the M.A. – I Examination

Choice Based CreditSystem (CBCS)

Semester I & II

(With effect from the Academic Year: 2019-2020)

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and Pattern of Question Paper in the Subject of Hindi At the

M.A.-I Examination

Choice Based Credit System (CBCS)

Semester I & II

(With effect from the Academic Year: 2019-2020)

हिन्दी अध्ययन मंडल

अध्यक्ष : डॉ. अनिल सिंह

1. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय(सदस्य)
2. डॉ. हूबनाथ पाण्डेय(सदस्य)
3. डॉ. विद्या शिंदे (सदस्य)
4. डॉ. शीला आहुजा (सदस्य)
5. डॉ. चित्रा गोस्वामी(सदस्य)
6. डॉ. संतोष मोटवानी(सदस्य)
7. डॉ. प्रकाश धुमाल(सदस्य)
8. डॉ. गौतम सोनकांबले(सदस्य)
9. डॉ. मोहसिन ख़ान(सदस्य)

पाठ्यक्रम समिति

1. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय (समन्वयक)
2. डॉ. विष्णु सरवदे (सदस्य)
3. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर (सदस्य)
4. डॉ. संतोष मोटवानी (सदस्य)
5. डॉ. बालकवि सुरंजे (सदस्य)
6. डॉ. उमेश शुक्ल (सदस्य)
7. डॉ. सुनील चव्हाण (सदस्य)
8. डॉ. महेश दवंगे (सदस्य)

मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

एम. ए (प्रथम वर्ष) सेमेस्टर I एवं II

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit System

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : PAHIN 101

प्रश्न पत्र - १

हिंदी साहित्य का इतिहास

(History of Hindi Literature)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

इकाई एक **श्रेयांक -२**

१. इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन

२. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं पुनर्लेखन की समस्याएँ

३. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण

४. आदिकाल : परिवेश

: सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य

: अमीर खुसरो एवं विद्यापति

इकाई दो और तीन **श्रेयांक - २**

५. भक्तिकाल : परिवेश

: भक्ति आंदोलन का विकास

: संत काव्य : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

: सूफ़ी काव्य : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

: रामभक्ति काव्यधारा : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

: कृष्णभक्ति काव्यधारा का विकास एवं प्रवृत्तियाँ

: भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता

इकाई चार **श्रेयांक -२**

६. रीतिकाल : रीतिकालीन परिवेश

: रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : PAHIN 102

प्रश्न पत्र - २

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

(History of Hindi Literature -Modern Age)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

इकाई एक **श्रेयांक - १**

१. आधुनिक कालीन परिवेश

इकाई दो **श्रेयांक - २**

२. आधुनिक हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन :

भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद,
प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता,
नवगीत, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता

इकाई तीन **श्रेयांक - २**

३. हिंदी गद्य साहित्य :

हिंदी साहित्य की प्रमुख गद्य विधाओं का क्रमिक विकास -
उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

इकाई चार **श्रेयांक - १**

आलोचना, यात्रा-वृत्तांत, डायरी, पत्र, जीवनी,
आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र १ और २)

१. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल

२. हिंदी साहित्य का इतिहास - संपादक डॉ. नगेंद्र

३. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

४. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

५. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

६. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल

७. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ - डॉ. गोविंदराम शर्मा

१० आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

११ हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय

१२ हिंदी साहित्य की भूमिका - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

१३ हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा

१४ हिंदी साहित्य एक परिचय - डॉ. त्रिभुवन सिंह

१५ हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

१६ हिंदी रीति साहित्य का इतिहास - डॉ. भगीरथ मिश्र

१७ रीतियुगीन काव्य - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा

१८ रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेंद्र

१९ आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल - श्री नारायण चतुर्वेदी

२० हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास - डॉ. सभापति मिश्र

२१ हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के

२२ हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास - डॉ. मोहन अवस्थी

२३ हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे / डॉ. सूर्यनारायण रणसूभे

२४ आधुनिक हिंदी कविता का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२५ आधुनिक हिंदी कविता में काव्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२६ साहित्य और संस्कृति के सरोकार - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२७ आधुनिक हिंदी साहित्य : वाद, प्रवृत्तियाँ एवं विमर्श - डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर

२८ हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे

२९ हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

३० हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दिशाएँ - डॉ. सुरेशकुमार जैन

३१ हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. उद्धव भंडारे

३२ हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सज्जनराम केणी

३३ भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्व की भावना - सं. डॉ. अनिल सिंह

३४ भक्ति साहित्य मे परमानंद सागर- डॉ. सुमन सिंह

३५ दिनकर का कुरुक्षेत्र -डॉ. मोहसिन ख़ान

३६ प्रगतिवादी समीक्षक डॉ. रमविलास शर्मा- डॉ. मोहसिन ख़ान

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : PAHIN 103

प्रश्न पत्र - ३

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

(Poetics and Literary Criticism)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

खंड- क (भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना)

इकाई एक **श्रेयांक - २**

१. रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण

२. अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण

३. रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

इकाई दो **श्रेयांक - १**

४. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

खंड - ख (पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और विचारक)

इकाई तीन **श्रेयांक -१**

१. सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद

इकाई चार **श्रेयांक - २**

२. विचारक
   १. प्लेटो के काव्य सिद्धांत
   २. अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धांत
   ३. लोंजाइनस : उदात्त संबंधी मान्यताएँ

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : PAHIN 104

प्रश्न पत्र - ४

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

(Poetics and Literary Criticism)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

खंड - क (भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना)

इकाई एक **श्रेयांक - २**

१. वक्रोक्ति सिद्धांत : अवधारणा, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

२. ध्वनि सिद्धांत : स्वरूप, प्रमुख रचनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य

३. औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद

इकाई दो **श्रेयांक - १**

४. डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नगेंद्र, डॉ. नामवर सिंह

खंड - ख (पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और विचारक)

इकाई तीन **श्रेयांक - १**

१. सिद्धांत और वाद : अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई चार **श्रेयांक - २**

२. विचारक : १. मैथ्यू आर्नल्ड - आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

२. टी.एस.इलियट - परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण

३. आई.ए.रिचर्ड्स - व्यावहारिक आलोचना, रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, संप्रेषण

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र ३ और ४)

१. भारतीय साहित्य शास्त्र - डॉ. बलदेव उपाध्याय
२. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा - डॉ. नगेंद्र
३. साहित्य का मूल्यांकन - डॉ. रामचंद्र तिवारी
४. रस सिद्धांत : स्वरूप और विश्लेषण - डॉ.आनंदप्रकाश दीक्षित
५. रस सिद्धांत - डॉ. नगेंद्र
६. काव्यतत्व विमर्श - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
७. काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
८. साहित्य शास्त्र - डॉ. कमलाप्रसाद पांडेय
९. भारतीय समीक्षा सिद्धांत - डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी
१०. ध्वनि सिद्धांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य - डॉ. टी.एन.राय
११. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत - डॉ. रामलाल सिंह
१२. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा
१३. आलोचक का दायित्व - डॉ. रामचंद्र तिवारी
१४. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल
१५. नामवर के विमर्श - डॉ. सुधीश पचौरी
१६. पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
१७. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेंद्रनाथ शर्मा
१८. पाश्चात्य काव्यचिंतन - डॉ. निर्मला जैन
१९. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार - सं. देवीशंकर नवीन
२०. उत्तर आधुनिकता : साहित्यिक विमर्श - सं.डॉ. सुधीश पचौरी
२१. समीक्षा के विविध आधार -सं. डॉ. रामजी तिवारी
२२. पाश्चात्य काव्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२३. छंदोलंकार प्रदीपिका - विश्वबंधु शर्मा
२४. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा - डॉ. निर्मला जैन
२५. हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार - कृष्णदत्त पालीवाल
२६. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रतिमान - डॉ. हरीश अरोड़ा
२७. आई.ए.रिचर्ड्स के समीक्षा सिद्धांत - डॉ. विष्णु सरवदे

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : PAHIN 105

प्रश्न पत्र - ५

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

(Linguistics and Hindi Language)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

खंड : क

इकाई एक **श्रेयांक -२**

१. भाषा : भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य

२. भाषा विज्ञान : भाषा विज्ञान का नामकरण, परिभाषा, स्वरूप औरव्याप्ति भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र, अध्ययन की दिशाएँ, भाषा विज्ञान के प्रकार -अनुप्रयुक्त और व्यतिरेकी भाषाविज्ञान

इकाई दो **श्रेयांक - १**

३. स्वन विज्ञान : परिभाषा, स्वरूप, वाग अवयव और उनके कार्य, स्वनिम की विशेषताएँ, स्वनिम के भेद - खंड्य स्वनिम, खंडयेत्तर स्वनिम, स्वन परिवर्तन की दिशाएँ, स्वन परिवर्तन के कारण, हिंदी स्वरों तथा व्यंजनों का वर्गीकरण

खंड : ख

इकाई तीन **श्रेयांक - २**

१. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ - वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएँ

: मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ - पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और

उनकी विशेषताएँ

: आधुनिक भारतीय भाषाओँ का सामान्य परिचय - मराठी, गुजराती,राजस्थानी,पंजाबी,तेलुगु, कन्नड़, तमिल ,मलयालम

इकाई चार **श्रेयांक - १**

२. हिंदी का वाक्य विन्यास : पद, पदक्रम, वाक्य के भेद (अर्थ एवं रचना के आधार पर)

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : PAHIN 106

प्रश्न पत्र - ६

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

(Linguistics and Hindi Language)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

खंड : क

इकाई एक **श्रेयांक - २**

१. रूप विज्ञान : रूप विज्ञान का स्वरूप, शब्द और रूप, अर्थ तत्व और संबंध तत्व, संबंध तत्व के प्रकार, रूप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, रूपिम और संरूप, रूपिम के भेद

२. वाक्य विज्ञान : परिभाषा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ और कारण

इकाई दो **श्रेयांक - १**

३. अर्थ विज्ञान : अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण

खंड : ख

इकाई तीन **श्रेयांक - २**

१. हिंदी की रूप रचना : १. हिंदी की शब्द रचना, धातु, उपसर्ग, प्रत्यय, समास

२. लिंग, वचन, कारक के संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का रूपांतरण

इकाई चार **श्रेयांक - १**

२. देवनागरी लिपि : नामकरण, उद्भव और विकास, विशेषताएँ, मानक रूप एवं त्रुटियाँ

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र ५ और ६)

१. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
२. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
३. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - डॉ. उदयनारायण तिवारी
४. हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
५. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण - डॉ. अंबादास देशमुख
६. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
७. सामान्य भाषा विज्ञान सैद्धांतिक विवेचन - डॉ. विद्यासागर दयाल
८. वर्ण विज्ञान - श्री. प्रभात रज्जन सरकार
९. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेंद्र कुमार शास्त्री
१०. हिंदी व्याकरण प्रकाश - डॉ. महेंद्र कुमार राना
११. भाषा विज्ञान की रूपरेखा - द्वारका प्रसाद सक्सेना
१२. नागरी लिपि : रूप और सुधार - मोहन ब्रज
१३. हिंदी उद्भव विकास और रूप -हरदेव बाहरी
१४. भाषा और भाषिका - डॉ. देवीशंकर द्विवेदी
१५. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना
१६. हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान - डॉ. महावीरसरन जैन
१७. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत - डॉ. रामकिशोर शर्मा
१८. भाषा - सं. राजमल बोरा
१९. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा स्वरूप का विकास - डॉ. देवेंद्र सिंह
२०. भाषा विज्ञान - रमेश रावत
२१. भाषा और सूचना प्रद्यौगिकी - डॉ. अमर सिंह वधान
२२. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन - रामगोपाल शर्मा
२३. हिंदी भाषा : कल और आज - पूरनचंद टंडन
२४. हिंदी भाषा, व्याकरण और रचना - डॉ. अर्जुन तिवारी
२५. भारतीय भाषा विज्ञान - आचार्य किशोरदास वाजपेयी
२६. आधुनिक भाषा विज्ञान - राजमणि शर्मा
२७. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप - राजमणि शर्मा
२८. भाषा और प्रौद्योगिकी - डॉ. विनोद प्रसाद
२९. भाषा शिक्षण - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

३०. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी
३१. हिंदी भाषा की संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी
३२. राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया
३३. भाषा की उत्पत्ति, रचना और विकास - विनोद दिवाकर
३४. हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
३५. हिंदी वर्तनी का विकास - अनिता गुप्ता
३६. हिंदी का विश्व संदर्भ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
३७. हिन्दी भाषा एक अवाध प्रवाह- डॉ. सुमन सिंह
३८. देवनागरी विमर्श-सं.शैलेंद्रकुमार शर्मा

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : PAHIN 107

प्रश्न पत्र - ७

प्राचीन और मध्यकालीन काव्य

(Ancient and Medieval Poetry)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

***प्राचीन और मध्यकालीन काव्य :**संपादन - हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय,मुंबई
राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-11002

इकाई एकश्रेयांक - २

***बीसल देव रास**

व्याख्या हेतु छंद : 6 ,11,16,19,26,30,32,36,38,
39,41,45,52,60,65,69,71,74,
82,96,105,108,113,124,125कुल = 25

इकाई दोश्रेयांक - २

*** कबीर**

व्याख्या हेतु पद :1 ,3,8 ,11 ,14 ,21 ,39 ,41 ,43 ,47,57 ,64
66 ,79 ,87,94,97,117 ,130,134 ,139
147 ,156 ,163 ,168 कुल = 25

इकाई तीन और चारश्रेयांक - २

***पद्मावत**

व्याख्या हेतु खंड : १. सिंहल द्वीप वर्णन खंड
२. नागमती वियोग खंड

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : PAHIN 108

प्रश्न पत्र - ८

प्राचीन और मध्यकालीन काव्य

(Ancient and Medieval Poetry)

कुल श्रेयांक**(Credit) = 6**

***प्राचीन और मध्यकालीन काव्य :**संपादन - हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय,मुंबई राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली-11002

इकाई एक **श्रेयांक - २**

***भ्रमर गीत सार**

व्याख्या हेतु पद : 1,4,7,9,11,16,26,38,42,51,57,
64,90,95,105,115,131,138,143,157,
177,196,200,279,316कुल = 25

इकाईदो और तीन श्रेयांक -३

***श्रीरामचरितमानस - अयोध्याकाण्ड**

व्याख्या हेतु दोहे : 216से240

कुल = 25

इकाई चार **श्रेयांक - १**

***मीराँबाई**

व्याख्या हेतु पद : 1,3,18,19,20,22,23,31,33,34,36,
37,38,39,41,46,49,53,56,69,70,
76,90,156,159 कुल = 25

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र ७ और ८)

१. कबीर की विचारधारा - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
२. कबीर ग्रंथावली - डॉ. एल. बी. राम 'अनंत'
३. कबीर : व्यक्तित्व एवं सिद्धांत - डॉ. सरनाम सिंह
४. कबीर का रहस्यवाद - डॉ. रामकुमार वर्मा
५. कबीर साहित्य की परख - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
६. जायसी एवं उनका काव्य - डॉ. शिवसहाय पाठक
७. जायसी का पद्मावत : काव्य और दर्शन - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
८. जायसी - डॉ. विजयदेव नारायण साही
९. तुलसीदास : आधुनिक वातायन से - डॉ. रमेश कुंतल 'मेघ'
१०. जायसी का काव्य शिल्प - डॉ. दर्शनलाल सेठी
११. तुलसीदास और उनका युग - डॉ. राजपति दीक्षित
१२. रामचरितमानस में अलंकार योजना - डॉ. वचनदेव कुमार
१३. मध्यकालीन कवि और कविता - डॉ. रतनकुमार पांडेय
१४. कालजयी संत तुलसीदास - डॉ. उमापति दीक्षित
१५. तुलसी काव्य में विविध आयाम - डॉ. उमापति दीक्षित
१६. मध्यकालीन काव्य : चिंतन और संवेदना - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१७. विविधा - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१८. साहित्य और संस्कृति के सरोकार - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१९. रीतिकालीन काव्य परंपरा में पद्मावत - डॉ. द्वारिकानाथ राय
२०. मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में नारी भावना - डॉ. उषा पांडेय
२१. रीति परंपरा के प्रमुख आचार्य - डॉ. सत्यदेव चौधरी
२२. हिंदी काव्य में शृंगार परंपरा और बिहारी - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
२३. हिंदी रीतिकालीन काव्य पर संस्कृत काव्य का प्रभाव - डॉ. दयानंद शर्मा
२४. मीरा और मीरा - महादेवी वर्मा
२५. भक्तिमती मीराबाई : जीवन और काव्य - लालबहादुर सिंह चौहान
२६. कबीर एवं तुकाराम का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. बालकवि सुरंजे
२७. वाल्मीकि एवं तुलसी के नारी पात्र - डॉ. संतोष मोटवानी
२८. भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्व की भावना - सं. डॉ. अनिल सिंह
२९. रहीम काव्य मेँ पुराख्यान - डॉ. मोहसीन खान

Examination

1. External Examination (Semester and Examination) Total Marks – 60

2. Internal Examination (आंतरिक परीक्षण) Total Marks – 40

पुस्तक समीक्षा / प्रकल्प	- २० अंक
प्रस्तुतीकरण / रचनात्मक कार्य	- १० अंक
कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता	- ०५ अंक
शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	- ०५ अंक

एम. ए. (प्रथम वर्ष) सेमेस्टर I एवं II

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Course पाठ्यक्रम १ से ६ तक

प्रश्न १ - पूछे गए ४ प्रश्नों में से २ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	- ४० अंक
प्रश्न २ - पूछे गए ४ टिप्पणियों में से २ के उत्तर अपेक्षित	- १० अंक
प्रश्न ३ - अ) ०५ अतिलघूत्तरी प्रश्न	- ०५ अंक
ब) ०५ बहु विकल्पीय प्रश्न	- ०५ अंक
	कुल योग - ६० अंक

Course पाठ्यक्रम ७ एवं ८

प्रश्न १ -संदर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों में से) ०२ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - २० अंक

प्रश्न २ -दीर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों से) ०२ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित - ३० अंक

प्रश्न ३ -अ) अतिलघूत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों से)	- ०५ अंक
ब) बहु विकल्पीय प्रश्न	- ०५ अंक

एम. ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

प्रत्येक प्रश्न पत्र पर चार व्याख्यान प्रति सप्ताह

१६ × ४ = ६४ व्याख्यान

****